__/__/____

Tender Heart High School, Sector 33-B, Chandigarh.

Date- Class - V
Subject- Hindi Literature Page-1
Subject Teacher- Ms. Roma Rani

पुस्तक - नवतरंग भाग-(3)
पाठ - 11 जादुई इकन्नी

सुप्रभात प्यारे बच्चो!

यह पाठ-11 'जादुई इकन्नी' कक्षा पाँचवी की हिन्दी साहित्य का है। यह पाठ आपको 22 नवंबर, 2021 को भेजा जाएगा। बच्चो! आज हम इस पाठ में जादुई इकन्नी पाठ का अगला भाग पढ़ेंगे।

बच्चो! पाठ के पिछले भाग में हमने पढ़ा था कि अब्दुल जो कि तांगा चलाता है, एक ईमानदार व्यक्ति है। एक बार जब वह बीमार पड़ जाता है, तो उसकी जगह उसका बेटा रशीद तांगा चलाना शुरू कर देता है। एक दिन रशीद को एक फकीर बाबा एक इकन्नी देते हैं। उस इकन्नी को रशीद खर्च करता है परन्तु फिर भी वह इकन्नी वापिस आ जाती है। वह एक जादुई इकन्नी थी। बच्चो! आज हम आगे पाठ पढ़ेंगे। रशीद इकन्नी की जलेबियां खरीदता है, जिन्हें वह खुद भी खाता है, अपने मित्रों को भी देता है और कुछ अपने घर भी ले आता है। रशीद घर आकर देखता है कि उसकी जेब में वही इकन्नी थी। वह डर जाता है और अपने पिता से कहता है कि मैं शायद दुकानदार को जलेबियों के पैसे देना भूल गया। इस पर अब्दुल रशीद से कहता है कि कोई बात नहीं जब मैं

Scanned with CamScanner

Date- Class - V
Subject- Hindi Language Page - 2
Subject Teacher- Ms. Roma Rani

कल काम पर जाऊँगा तो रास्ते में पैसे देता आऊँगा। अब रशीद की सेहत ठीक हो गई थी। वह अब तांगा चलाने लगा था। उसने अगले दिन घर आते समय जलेबी के पैसे देने के लिए तांगा रोका। उसने जलेबी वाले को हकन्नी देते हुए कहा, "कल मेरा बेटा तुमसे हकन्नी की जलेबी ले गया था। शायद उसके पैसे देने भूल गया। इस पर दुकानदार कहता है कि वो लड़का पैसे तो दे गया था क्योंकि मैं बिना पैसे लिए किसी को भी कोई सामान नहीं देता। अब्दुल को बड़े-बूढ़ों की सीख याद आई कि हमेशा मेहनत की कमाई में ही बरकत होती है, उसी पर भरोसा करना चाहिए।

कुछ दिनों बाद अब्दुल तांगा लेकर घर वापस आ रहा था, रशीद भी उसके साथ था। एकदम से रशीद चिल्लाया, "वही फ़कीर बाबा! जिन्होंने मुझे हकन्नी दी थी।" अब्दुल ने देखा- यमुना के रेत में वही फ़कीर बैठे, ढलते सूर्य का प्रतिबिंब पानी में देख रहे थे। अब्दुल उनके पास गया। जेब से हकन्नी निकाल कर उन्हें दी और कहा, "खर्च करने पर भी वापस आ जाती है। आप इसे ले लें। हम तो मेहनत करके कमाते हैं और उसमें खुश रहते हैं।

फ़कीर बाबा ने हँसकर कहा, "रख लो इसे अपने पास। इस बच्चे (रशीद) को अच्छे से पढ़ाना। जब देखो कि कोई सरदी से परेशान है तो उसे गरम कपड़े दे देना। भूखे को रोटी खिलाना। ज़रूरतमंद की मदद करना, उसे शिक्षा दिलाना और सोचना

Scanned with CamScanner

__/__/____

Date - Class- V
Subject- Hindi Literature Page-3
Subject Teacher- Ms. Roma Rani

देने वाला कोई और है, तुम तो केवल एक साधन है। इतना बोल कर फकीर उठ कर चले गए। अब्दुल, रशीद दोनों चुपचाप घर आ गए। कई साल बीत गए। दोनों उस इकन्नी से ज़रूरतमंदों की सहायता करने लगे।

कई वर्ष बीत गए। अब्दुल बूढ़ा हो गया। एक दिन उसने अपने बेटे से कहा कि वह यमुना नदी के किनारे जाना चाहता है। दोनों उसी स्थान पर पहुँचे, जहाँ फ़कीर बैठा करते थे। अब्दुल और रशीद वहीं बैठ गए और कुछ समय बाद अब्दुल ने रशीद से कहा कि इस इकन्नी को जल में फेंक दो। रशीद ने अपने पिता की बात मानकर इकन्नी जल में फेंक दी और वह इकन्नी यमुना में समा गई। इस प्रकार बच्चो! इस कहानी से हमें यही शिक्षा मिलती है कि हमें सदैव अपनी मेहनत और ईमानदारी पर ही विश्वास रखना चाहिए।

गृह कार्य

≒ बच्चो! आप इस पाठ के पृष्ठ -88 पर आए शब्द- अर्थ याद करेंगे।

≒ आप इस पाठ के पाठ बोध के प्रश्न - 3 और 4 अपनी पुस्तक में करेंगे।

धन्यवाद!

Last page

Scanned with CamScanner